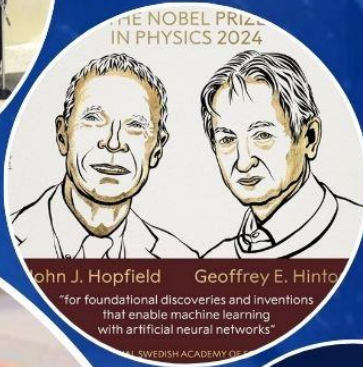


RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

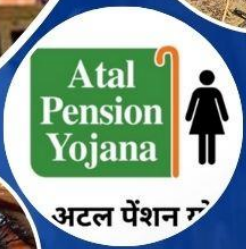
UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण



DATE
अक्टूबर
10
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index



By Ankit Avasthi Sir

भारत ने ट्रैकोमा को सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में समाप्त किया: WHO

India has eliminated trachoma as a public health problem: WHO

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने हाल ही में घोषणा की है कि भारत सरकार ने ट्रैकोमा को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में समाप्त कर दिया है। नेपाल और म्यांमार के बाद, भारत दक्षिण-पूर्व एशिया का तीसरा देश है, जिसने उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों (NTD) को समाप्त करने की उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने भारत को गिनी वर्म रोग (2000) और यॉज (2016) से मुक्त घोषित किया था।

ट्रैकोमा क्या है?

- ✓ ट्रैकोमा एक जीवाणु संक्रमण है, जो आँखों को प्रभावित करता है। यह क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस नामक जीवाणु के कारण होता है।
- ✓ **संक्रामकता:** यह संक्रामक होता है और संक्रमित लोगों की आँखों, पलकों, नाक या गले के स्राव के संपर्क में आने से फैलता है।
- ✓ **दुष्परिणाम:** यदि इसका उपचार न किया जाए, तो यह अपरिवर्तनीय अंधेपन का कारण बन सकता है।
- ✓ **आंकड़े:** WHO के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 150 मिलियन लोग ट्रैकोमा से प्रभावित हैं, जिनमें से 6 मिलियन लोग अंधे हैं या उन्हें दृष्टि संबंधी जटिलताओं का खतरा है।

भारत में ट्रैकोमा का इतिहास:

- ✦ **1950-60 के दशक:** ट्रैकोमा, भारत में अंधेपन के प्रमुख कारणों में से एक था।
- ✦ **1963:** भारत सरकार ने राष्ट्रीय ट्रैकोमा नियंत्रण कार्यक्रम की शुरुआत की।
- ✦ **1971:** ट्रैकोमा के कारण अंधेपन की दर 5% थी, लेकिन आज यह घटकर 1% से भी कम हो गई है।

नियंत्रण उपाय और रणनीतियाँ:

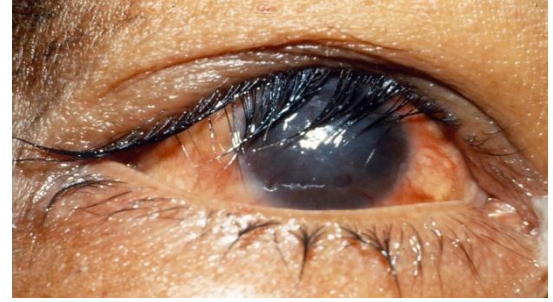
- ✓ **WHO SAFE रणनीति:** भारत ने WHO की SAFE रणनीति को अपनाया, जिसमें शामिल हैं:
 - ✦ सर्जरी
 - ✦ एंटीबायोटिक्स
 - ✦ चेहरे की स्वच्छता
 - ✦ पर्यावरण की सफाई

इसके परिणामस्वरूप, 2017 में भारत को संक्रामक ट्रैकोमा से मुक्त घोषित किया गया।

हालिया प्रयास:

- ✦ **मॉनिटरिंग:** 2019 से 2024 तक, भारत के सभी जिलों में ट्रैकोमा के मामलों की निगरानी जारी रही।
- ✦ **सर्वेक्षण: 2021-24** के दौरान, देश के 200 स्थानिक जिलों में राष्ट्रीय ट्रैकोमैटिस ट्राइक्रियासिस (केवल टीटी) सर्वेक्षण किया गया। यह WHO द्वारा निर्धारित एक अधिदेश था।

निष्कर्ष: सभी रिपोर्टों को एनपीसीबीवीआई टीम द्वारा एक विशेष डोजियर प्रारूप में संकलित किया गया और अंतिम जांच के लिए WHO देश कार्यालय के साथ साझा किया गया। अंततः, ट्रैकोमा के खिलाफ वर्षों की लड़ाई के बाद, WHO ने घोषणा की कि भारत ने ट्रैकोमा को सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में समाप्त कर दिया है।



उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (NTD) क्या हैं?

NTD विभिन्न प्रकार के रोगाणुओं (जैसे वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी, कवक और विषाक्त पदार्थ) के कारण होने वाली स्थितियों का एक समूह है। ये मुख्य रूप से:

- ✓ **गरीब समुदायों में प्रचलित:** ये रोग मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में रहने वाले गरीब समुदायों में पाए जाते हैं।
- ✓ **उपेक्षित रोग:** इन्हें उपेक्षित कहा जाता है क्योंकि ये वैश्विक स्वास्थ्य एजेंडे से लगभग गायब हैं, इनका वैश्विक वित्तपोषण कम है, और ये कलंक और सामाजिक बहिष्कार से जुड़े होते हैं।

NTD को रोकने के लिए उठाए गए कदम:

वैश्विक स्तर पर:

- ✦ **वैश्विक NTD वार्षिक रिपोर्टिंग फॉर्म (जीएनएआरएफ):** यह रोगों की स्थिति और प्रगति पर निगरानी रखने का एक साधन है।
- ✦ **वैश्विक वेक्टर नियंत्रण प्रतिक्रिया 2017-2030 (जीवीसीआर):** यह एक योजना है जो NTD के खिलाफ वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित करती है।
- ✦ **NTD पर किगाली घोषणा (2022):** यह एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है जो NTD के खिलाफ संयुक्त प्रयासों को प्रोत्साहित करता है।

भारत में: राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी): यह कार्यक्रम भारत में वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण के लिए स्थापित किया गया है।

हानले, लद्दाख में प्रमुख वायुमंडलीय चेरेंकोव प्रयोग (एमएसीई) वेधशाला का उद्घाटन Inauguration of Major Atmospheric Cherenkov Experiment (MACE) observatory at Hanle, Ladakh

हाल ही में, परमाणु ऊर्जा विभाग ने लद्दाख के हानले में प्रमुख वायुमंडलीय चेरेंकोव प्रयोग (MACE) वेधशाला का उद्घाटन किया। यह उद्घाटन परमाणु ऊर्जा विभाग के प्लेटिनम जयंती वर्ष समारोह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था।

परमाणु ऊर्जा विभाग का परिचय:

- ✓ **स्थापना:** परमाणु ऊर्जा विभाग की स्थापना 1948 के परमाणु ऊर्जा अधिनियम के अनुसार 1954 में प्रधानमंत्री के प्रत्यक्ष प्रभार के अधीन कार्यकारी आदेश के माध्यम से की गई थी।
- ✓ **मुख्य कार्य:** यह विभाग परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए अनुसंधान एवं विकास का नेतृत्व करता है।

MACE वेधशाला के बारे में:

- ✓ **विशिष्टता:** यह एशिया में सबसे बड़ा इमेजिंग चेरेंकोव टेलीस्कोप है और दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा।
- ✓ **चेरेंकोव टेलीस्कोप ऐरे (CTA):** यह दुनिया का सबसे बड़ा चेरेंकोव टेलीस्कोप होगा, जो वर्तमान में स्पेन और चिली में निर्माणाधीन है।
- ✓ **ऊंचाई:** यह 4,300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जो इसे विश्व में अपनी तरह का सबसे ऊंचा स्थान बनाता है।
- ✓ **उद्देश्य:** इसका मुख्य उद्देश्य ब्रह्मांड में सबसे अधिक ऊर्जा वाली घटनाओं (जैसे सुपरनोवा, ब्लैक होल, और गामा-रे विस्फोट) का अध्ययन करना है।
- ✓ **नामकरण:** इसका नाम वैज्ञानिक पावेल अलेक्सेयेविच चेरेंकोव के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने यह खोज की थी कि आवेशित कण कुछ विशेष परिस्थितियों में गैर-चालक माध्यम से गुजरने पर चमकते हैं (जिसे चेरेंकोव विकिरण कहा जाता है)।
- ✓ **निर्माण:** इसे इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (ईसीआईएल) और अन्य साझेदारों के सहयोग से भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित किया गया है।
- ✓ **सम्पर्क:** यह उच्च ऊर्जा स्टीरियोस्कोपिक प्रणाली (एचडीएसएस) जैसी वैश्विक वेधशालाओं का भी पूरक होगा।

निष्कर्ष: MACE वेधशाला का उद्घाटन भारतीय विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ब्रह्मांड की सबसे रहस्यमयी घटनाओं का अध्ययन करने में मदद करेगा। यह वेधशाला न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान में सहायक होगी, बल्कि खगोल-पर्यटन को भी बढ़ावा देगी।



गामा किरणें क्या हैं?

- ✓ **विशेषताएँ:** गामा किरणें विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम में सबसे छोटी तरंगदैर्घ्य और उच्चतम ऊर्जा वाली होती हैं।
- ✓ **स्रोत:**
 - **ब्रह्मांड में:** न्यूट्रॉन तारे, पल्सर, सुपरनोवा विस्फोट, और ब्लैक होल के आसपास के क्षेत्र।
 - **पृथ्वी पर:** परमाणु विस्फोट, बिजली, और रेडियोधर्मी क्षय की गतिविधियों से उत्पन्न होती हैं।

हानले में वेधशाला का चयन:

- ✓ **स्थान:** चांगथांग की हानले घाटी (समुद्र तल से 4250 मीटर ऊपर) एक शुष्क, ठंडे रेगिस्तान है, जहां मानव आबादी विरल है।
- ✓ **फायदे:** यहाँ बादल रहित आकाश और कम वायुमंडलीय जलवाष्प है, जो इसे ऑप्टिकल, इन्फ्रारेड, सब-मिलीमीटर, और मिलीमीटर तरंगदैर्घ्य के लिए दुनिया के सर्वोत्तम स्थलों में से एक बनाता है।
- ✓ **विशेष मान्यता:** 2022 में, हानले डार्क स्काई रिजर्व (एचडीएसआर) को खगोल-पर्यटन के लिए अधिसूचित किया गया।

अटल पेंशन योजना (APY) / Atal Pension Yojana (APY)

चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अटल पेंशन योजना (APY) योजना के तहत 56 लाख से अधिक नए नामांकन हुए हैं, जिससे कुल सकल नामांकन 7 करोड़ को पार कर गया है।

अटल पेंशन योजना:

अटल पेंशन योजना (APY) को मई 2015 में भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य सभी भारतीयों, विशेष रूप से गरीबों, वंचितों, और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली स्थापित करना है।

प्रसार:

- ✓ **व्यापकता:** यह योजना पूरे देश में बड़े पैमाने पर लागू की गई है। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में इस योजना से जुड़ने वाले व्यक्तियों में पुरुषों और महिलाओं का अनुपात 57:43 है।
- ✓ **पात्रता:** हालांकि अभी तक केवल 5% पात्र आबादी को ही इस योजना के अंतर्गत कवर किया गया है।

प्रशासन: अटल पेंशन योजना को 'पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण' (PFRDA) के माध्यम से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) के तहत प्रशासित किया जाता है।

योग्यता:

- ✦ **उम्र:** इस योजना में 18 से 40 वर्ष के बीच के भारत के नागरिक शामिल हो सकते हैं।
- ✦ **योगदान:** इस योजना में देर से शामिल होने वाले ग्राहकों की योगदान राशि अधिक होती है, जबकि जल्दी शामिल होने वाले ग्राहकों की योगदान राशि कम होती है।

लाभ:

- ☑ **पेंशन राशि:** योजना 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 1000 रुपए से 5000 रुपए तक की न्यूनतम गारंटीकृत पेंशन प्रदान करती है।
- ☑ **पति या पत्नी के लिए लाभ:** यदि अभिदाता की मृत्यु हो जाती है, तो उसके पति या पत्नी को जीवन भर के लिए पेंशन की गारंटी दी जाती है।
- ☑ **नामिनी के लिए लाभ:** यदि अभिदाता और उसकी/उसका पति/पत्नी दोनों की मृत्यु हो जाती है, तो नामिनी को पूरी पेंशन राशि का भुगतान किया जाता है।

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) अधिनियम:

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) अधिनियम को 19 सितंबर 2013 को अधिसूचित किया गया और यह 1 फरवरी 2014 से लागू हुआ। इसका उद्देश्य पेंशन क्षेत्र को व्यवस्थित रूप से विकसित और विनियमित करना है, जिससे विभिन्न पेंशन योजनाओं का सटीक और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

NPS का नियमन:

- **राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS):** NPS के अभिदाता में केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, निजी संस्थान/संस्थाएं और असंगठित क्षेत्र के कर्मचारी शामिल हैं। इसका नियमन PFRDA द्वारा किया जाता है।
- **पेंशन बाजार का विकास:** PFRDA का कार्य पेंशन बाजार के व्यवस्थित विकास और वृद्धि को सुनिश्चित करना है।



अटल पेंशन योजना

PFRDA की स्थापना:

- ✓ **स्थापना:** पेंशन क्षेत्र को प्रोन्नत, विकसित और नियमन करने के लिए भारत सरकार के अध्यादेश द्वारा 23 अगस्त 2003 को PFRDA की स्थापना की गई।
- ✓ **अंशदान पेंशन प्रणाली:** भारत सरकार द्वारा अंशदान पेंशन प्रणाली को 22 दिसंबर 2003 में अधिसूचित किया गया, जो 1 जनवरी 2004 से लागू हुआ और जिसे अब राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के नाम से जाना जाता है।

NPS का विस्तार: 1 मई 2009 से NPS का विस्तार स्वैच्छिक आधार पर देश के सभी नागरिकों के लिए किया गया, जिसमें स्वयं-रोजगार पेशेवर और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं।

PFRDA का मुख्य उद्देश्य:

- ☑ **संस्थागत निर्माण:** सभी हितधारकों और बाजार प्रतिभागियों के लिए उत्पादों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों में नए अन्वेषणों के लिए सक्षम संरचना प्रदान करना।
- ☑ **वृद्धावस्था आय की आवश्यकताओं की पूर्ति:** अभिदाताओं और पेंशन प्रणाली के सर्वश्रेष्ठ हित में सभी नागरिकों की वृद्धावस्था आय की आवश्यकताओं को पूरा करना।
- ☑ **विनियमन:** पेंशन प्रणाली के निर्देशित विकास एवं विवेकपूर्ण विनियमन द्वारा पेंशन प्रणाली को स्थापित और विकसित करना।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमान / National Health Accounts Estimates

हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा (एनएचए) के अनुमान जारी किए हैं, जो देश के स्वास्थ्य देखभाल खर्च के आंकड़ों और दिशा को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा (एनएचए) की मुख्य बातें:

- ✓ **जारीकर्ता:** केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
- ✓ **आधार:** यह विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा स्वास्थ्य लेखा प्रणाली (एसएचए) पर आधारित है।
- ✓ **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल व्यय पर नज़र रखना और रिपोर्टिंग के लिए मानकीकृत तरीके प्रदान करना है, जिससे विभिन्न देशों के बीच स्वास्थ्य व्यय की तुलना की जा सके।

प्रमुख निष्कर्ष:

1. सरकारी स्वास्थ्य व्यय (जीएचई) में वृद्धि:

- ✦ सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के हिस्से के रूप में, सरकारी स्वास्थ्य व्यय (जीएचई) 2014-15 में 1.13% से बढ़कर 2021-22 में 1.84% हो गया है।
- ✦ सामान्य सरकारी व्यय (जीजीई) के हिस्से के रूप में, यह 2014-15 में 3.94% से बढ़कर 2021-22 में 6.12% हो गया है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

2. आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडीचर (ओओपीई) में गिरावट:

- ✦ कुल स्वास्थ्य व्यय (टीएचई) के हिस्से के रूप में ओओपीई 2014-15 में 62.6% से घटकर 2021-22 में 39.4% हो गया है।
- ✦ यह सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि और स्वास्थ्य सेवा तक बेहतर पहुंच के कारण व्यक्तियों पर वित्तीय दबाव को कम करने का संकेत है।

3. कुल स्वास्थ्य व्यय (टीएचई):

- ✦ 2021-22 में कुल स्वास्थ्य व्यय बढ़कर 9,04,461 करोड़ रुपये हो गया, जो सकल घरेलू उत्पाद का 3.83% है।
- ✦ प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य व्यय 6,602 रुपये रहा।

4. स्वास्थ्य पर सामाजिक सुरक्षा व्यय (एसएसई):

- ✦ एसएसई, कुल स्वास्थ्य व्यय के हिस्से के रूप में, 2014-15 में 5.7% से बढ़कर 2021-22 में 8.7% हो गया है।
- ✦ इसमें सरकारी वित्तपोषित स्वास्थ्य बीमा, सरकारी कर्मचारियों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति, और सामाजिक स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम शामिल हैं।

5. वर्तमान स्वास्थ्य व्यय (सीएचई):

- ✦ 2021-22 में केंद्र सरकार का हिस्सा बढ़कर 1,25,854 करोड़ रुपये (15.94%) हो गया।
- ✦ राज्य सरकारों का हिस्सा बढ़कर 1,71,952 करोड़ रुपये (21.77%) हो गया।

National Health Accounts Estimates for India



स्वास्थ्य सेवा पर बढ़ते सरकारी खर्च के निहितार्थ

सरकारी स्वास्थ्य व्यय में बढ़ोतरी से कई सकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं:

- ✓ **वित्तीय कठिनाइयों में कमी:** बढ़ते खर्च से जेब से भुगतान (OOPE) में कमी आई है, जिससे वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हुई है, खासकर निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों के लिए।
- ✓ **सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना:** स्वास्थ्य सेवा व्यय में वृद्धि से बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है, बेहतर अस्पतालों और टीकाकरण कार्यक्रमों का विकास हुआ है, जिससे सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार हुआ है।
- ✓ **सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) की दिशा में प्रगति:** सरकार का लक्ष्य यूएचसी हासिल करना है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ और ओओपीई कम हो रही हैं।
- ✓ **कोविड-19 महामारी पर प्रतिक्रिया:** 2020-21 और 2021-22 में स्वास्थ्य खर्च बढ़ाने से सरकार ने महामारी के दौरान स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया, परीक्षण और उपचार सुविधाएं बढ़ाई, और व्यापक टीकाकरण कार्यक्रम चलाया।

हमसफर नीति / Humsafar Policy

हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में 'हमसफर नीति' का शुभारंभ किया। इस नीति का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा की सुविधा को बढ़ावा देना और सड़क के किनारे सुविधाओं के विकास में तेजी लाना है।

नीति का मुख्य उद्देश्य:

'हमसफर नीति' का मुख्य लक्ष्य यात्रियों को मानकीकृत, सुव्यवस्थित और स्वच्छ सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके अंतर्गत मौजूदा और आने वाले सेवा प्रदाताओं को शामिल किया जाएगा, जिसमें भोजनालयों, ईंधन स्टेशनों और ट्रॉमा सेंटर्स की श्रेणियां शामिल हैं। पंजीकरण के लिए ये सेवा प्रदाता नीति के तहत पात्र होंगे।

सेवा प्रदाताओं को लाभ:

- ✓ **शुल्क में छूट:** पंजीकृत सेवा प्रदाताओं को मौजूदा पहुंच अनुमति के नवीनीकरण के लिए शुल्क में छूट का लाभ मिलेगा।
- ✓ **साइनेज स्थान:** उन्हें राष्ट्रीय राजमार्गों पर अपने प्रतिष्ठानों के लिए साइनेज लगाने के लिए स्थान प्रदान किया जाएगा।
- ✓ **ऑनलाइन दृश्यता:** एनएचएआई के 'राजमार्ग यात्रा' मोबाइल ऐप पर प्रदाताओं को उनकी ऑनलाइन दृश्यता बढ़ाने का मौका मिलेगा।

यात्रियों के लिए सुविधाएं: यात्री 'राजमार्ग यात्रा' ऐप के माध्यम से अपने पास के सेवा प्रदाताओं का विवरण तुरंत प्राप्त कर सकेंगे। ऐप पर यात्रियों को सेवाओं की रेटिंग देने और मुद्दों की रिपोर्ट करने की सुविधा भी मिलेगी। यदि पंजीकृत सेवा प्रदाता अपनी औसत रेटिंग 3 या उससे अधिक बनाए रखते हैं, तो उन्हें नवीकरण शुल्क में छूट मिलेगी।

निगरानी और निरीक्षण: 'हमसफर नीति' के तहत, पंजीकृत सेवा प्रदाताओं की निगरानी के लिए कड़े प्रावधानों की व्यवस्था की गई है। प्राधिकृत तृतीय विभाग एजेंसी द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाएगा। यदि सेवा प्रदाताओं की रेटिंग 3-स्टार से कम होती है, तो उन्हें ईमेल/एसएमएस अलर्ट भेजे जाएंगे और उनकी सुविधाओं पर अधिक बार निरीक्षण किया जाएगा।

समग्र प्रभाव: 'हमसफर नीति' राष्ट्रीय राजमार्गों पर विश्वस्तरीय सेवाएं स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे यात्रियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं का मानकीकरण होगा और उनके यात्रा अनुभव में सुधार होगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय:

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत एक प्रमुख संगठन है। इसका उद्देश्य देश में सड़क परिवहन व्यवस्था को गतिशीलता और कुशलता प्रदान करना है। यह मंत्रालय अन्य केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, संगठनों और व्यक्तियों के साथ परामर्श करके सड़क परिवहन, राष्ट्रीय राजमार्गों और परिवहन अनुसंधान के लिए नीतियों का निर्माण और उनके संचालन की जिम्मेदारी निभाता है।

मंत्रालय के दो प्रमुख विभाग हैं-

1. सड़क विभाग
2. परिवहन विभाग

सड़क विभाग: यह विभाग राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और अनुरक्षण से संबंधित कार्य करता है। इसके मुख्य कार्य हैं:

- ✓ **राष्ट्रीय राजमार्गों की योजना, विकास और अनुरक्षण:** मंत्रालय देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के संपूर्ण विकास की योजना बनाता है।
- ✓ **राज्यीय सड़कों के लिए सहायता:** यह राज्य सरकारों को राज्यीय सड़कों और अंतर्राज्यीय संपर्क को बढ़ाने के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- ✓ **मानक विनिर्देश तैयार करना:** मंत्रालय सड़कों और पुलों के लिए मानक विनिर्देशों का विकास करता है।
- ✓ **तकनीकी जानकारी का भंडार:** यह मंत्रालय सड़कों और पुलों से संबंधित तकनीकी जानकारी के संग्रह के रूप में कार्य करता है।

परिवहन विभाग: परिवहन विभाग मंत्रालय के अंतर्गत सड़क परिवहन से संबंधित मामलों पर कार्य करता है। इसके अंतर्गत कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां शामिल हैं:

मुख्य जिम्मेदारियां:

- मोटर यान विधान
- मोटर यान अधिनियम 1988 का प्रशासन
- मोटर यान कराधान
- अनिवार्य बीमा
- सड़क परिवहन निगम अधिनियम, 1950 का प्रशासन
- परिवहन सहकारी का विकास
- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति
- सड़क दुर्घटना सांख्यिकी

ब्लैक कार्बन / Black Carbon

हाल ही में एक अध्ययन के अनुसार भारत में **केरोसिन-आधारित लैंप** पर निर्भरता से हर वर्ष लगभग **12.5 गीगाग्राम (Gg) ब्लैक कार्बन** निकलता है, जो कुल आवासीय ब्लैक कार्बन उत्सर्जन का लगभग **10 प्रतिशत** है। यह अध्ययन मुख्य रूप से **खाना पकाना, हीटिंग, और प्रकाश व्यवस्था** के लिए केरोसिन के उपयोग पर केंद्रित है।

ग्रामीण परिवारों की स्थिति:

- ✓ लगभग **30 प्रतिशत** ग्रामीण परिवार विद्युत कटौती के दौरान **द्वितीयक प्रकाश स्रोत** के रूप में केरोसिन का उपयोग करते हैं।
- ✓ पूर्वी भारत में यह आंकड़ा **70 प्रतिशत** तक पहुंच जाता है।



अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष:

- ✓ पूर्वी भारत द्वितीयक प्रकाश स्रोतों से होने वाले कुल ब्लैक कार्बन उत्सर्जन में **7.5 गीगाग्राम** या **60 प्रतिशत** का योगदान देता है।
- ✓ बिजली की मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन के कारण बार-बार बिजली कटौती के चलते लोग केरोसिन जैसे गैर-स्वच्छ प्रकाश स्रोतों का उपयोग करने के लिए मजबूर हैं।
- ✓ बिहार में प्रति वर्ष **3 गीगावाट** से अधिक ब्लैक कार्बन उत्सर्जन होता है।

अध्ययन की पृष्ठभूमि:

- ✓ अध्ययन का संचालन: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बॉम्बे के शोधकर्ताओं ने **2018-2020** के दौरान **6,000 घरों** का सर्वेक्षण किया।
- ✓ उन्होंने भारतीय घरों में उपयोग किए जाने वाले केरोसिन लाइटिंग उपकरणों के दो प्रकारों की पहचान की:
 1. विक लैंप (सरल और घर का बना)
 2. हरिकेन लैंप (अधिक परिष्कृत)
- ✓ केरोसिन लाइटिंग उपकरणों का **ब्लैक कार्बन उत्सर्जन कारक** फ्लैट विक लैंप के लिए **190 ग्राम प्रति किलोग्राम**, विक लैंप के लिए **61.4 ग्राम प्रति किलोग्राम**, और हरिकेन लैंप के लिए **17.2 ग्राम प्रति किलोग्राम** है।

दिवाली उत्सर्जन:

- ✓ दिवाली के दौरान तिल के तेल के दीयों से सर्वाधिक ब्लैक कार्बन उत्सर्जन वाले राज्यों में **उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, और बिहार** शामिल हैं।
- ✓ दिवाली पर तेल के लैंप दो दिनों में **3 गीगावाट** अतिरिक्त ब्लैक कार्बन उत्सर्जित कर सकते हैं, जो आवासीय केरोसिन लाइटिंग से प्रतिदिन होने वाले उत्सर्जन से **40 गुना अधिक** है।

समाधान: मोम-आधारित लैंपों के उपयोग से **उत्सर्जन में लगभग 90 प्रतिशत** तक कमी लाई जा सकती है।

यह अध्ययन इस बात पर जोर देता है कि भारत में **केरोसिन-आधारित लैंप** का उपयोग जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देता है, और इसे खत्म करने के लिए **वैकल्पिक, स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों** को अपनाने की आवश्यकता है।

ब्लैक कार्बन:

ब्लैक कार्बन, जिसे आमतौर पर **कालिख** के नाम से जाना जाता है, वायु प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण घटक है और यह **पीएम 2.5** का हिस्सा है। यह सूक्ष्म कण, लकड़ी और जीवाश्म ईंधन के **अधूरे दहन** से उत्पन्न होते हैं, जो कि एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें **कार्बन डाइऑक्साइड (CO2), कार्बन मोनोऑक्साइड, और वाष्पील कार्बनिक यौगिक** भी बनते हैं।

भारत में ब्लैक कार्बन उत्सर्जन:

- ✓ भारत में अधिकांश ब्लैक कार्बन उत्सर्जन **पारंपरिक चूल्हों** में बायोमास (जैसे गाय का गोबर या पुआल) जलाने से होता है।
- ✓ इसका जलवायु पर गर्म करने वाला प्रभाव CO2 के मुकाबले **460-1,500 गुना अधिक** है।

पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव:

- ✓ **गर्मी का प्रभाव:** ब्लैक कार्बन वायुमंडल को गर्म करता है क्योंकि यह प्रकाश को अवशोषित करने में बहुत प्रभावी है। इससे उन क्षेत्रों में **हवा और सतहों के तापमान** में वृद्धि होती है जहां यह केंद्रित होता है।
- ✓ **जलवायु परिवर्तन:** यह मौसम के पैटर्न और पारिस्थितिकी तंत्र चक्र को भी बदलता है।
- ✓ **जीवनकाल:** वायुमंडल में यह केवल कुछ दिनों या हफ्तों तक रहता है, लेकिन इसके **जलवायु, बर्फ, कृषि और मानव स्वास्थ्य** पर महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव होते हैं।
- ✓ **बादल निर्माण:** ब्लैक कार्बन बादल निर्माण को प्रभावित करता है और क्षेत्रीय परिसंचरण तथा वर्षा पैटर्न पर असर डालता है।
- ✓ **सतह की एल्बिडो:** बर्फ और हिम पर जमा होने पर, ब्लैक कार्बन और सह-उत्सर्जित कण सतह की **एल्बिडो (सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करने की क्षमता)** को कम करते हैं।

भौतिकी में नोबेल पुरस्कार 2024

Nobel Prize in Physics 2024

मशीन लर्निंग में योगदान के लिए जॉन हॉपफील्ड और जेफ्री हिंटन को भौतिकी में नोबेल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया जाएगा।



- ✓ **पुरस्कार विजेता:** जॉन हॉपफील्ड और जेफ्री हिंटन
- ✓ **पुरस्कार का कारण:** मशीन लर्निंग में उनके योगदान के लिए, दोनों ने भौतिकी-आधारित उपकरणों का उपयोग करके ऐसे तरीके विकसित किए, जिन्होंने आधुनिक मशीन लर्निंग की नींव रखी।

जॉन हॉपफील्ड का योगदान:

- ✦ **साहचर्य स्मृति:** हॉपफील्ड ने साहचर्य स्मृति की अवधारणा प्रस्तुत की, जिसमें स्मृति उत्तेजनाओं द्वारा सक्रिय होती है।
- ✦ **कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क:** उन्होंने मान (0 या 1) संग्रहीत करने वाले नोड्स का उपयोग करके एक कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क बनाया।
- ✦ **हॉपफील्ड नेटवर्क:** यह नेटवर्क पैटर्नों को संग्रहीत करने और अपूर्ण या विकृत इनपुट से उन्हें पुनः बनाने में सक्षम है।

जेफ्री हिंटन का योगदान:

- ✦ **सांख्यिकीय भौतिकी:** हिंटन ने हॉपफील्ड के काम का विस्तार सांख्यिकीय भौतिकी की अवधारणाओं का उपयोग करके किया।
- ✦ **बोल्ज्मैन मशीन:** उन्होंने बोल्ज्मैन मशीन विकसित की, जो निर्देशों के बजाय उदाहरणों से सीख सकती है।
- ✦ **डेटा पहचान:** मशीन नये डेटा को पहचान सकती है यदि वह किसी सीखी हुई श्रेणी से संबंधित हो, जैसे पारिवारिक समानता को पहचानना।

कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क (एनएन) के बारे में जानकारी:

- ✦ **महत्वपूर्ण उपसमुच्चय:** यह मशीन लर्निंग का महत्वपूर्ण उपसमुच्चय है, जो रणनीति बनाने, पूर्वानुमान लगाने और रुझानों को पहचानने जैसे कार्यों में मदद करता है।
- ✦ **कम्प्यूटेशनल मॉडल:** एनएन मानव मस्तिष्क में तंत्रिका कोशिकाओं के कार्य की नकल करता है।
- ✦ **अनुभव से सीखना:** सामान्य मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के विपरीत, एनएन बार-बार किए जाने वाले कार्यों और उपयोगकर्ताओं के अनुभव से सीखता है।
- ✦ **न्यूरल नेटवर्क (एनएन):** इसे जैविक न्यूरल नेटवर्क की संरचना और कार्यों पर आधारित किया गया है।
- ✦ **सीखने की प्रणाली:** एनएन की संरचना उसके द्वारा संसाधित इनपुट और आउटपुट से प्रभावित होती है।

रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार 2024

Nobel Prize in Chemistry 2024

नोबेल पुरस्कार 2024 के लिए रसायन विज्ञान का पुरस्कार डेविड बेकर, जॉन जम्पर, और डेमिस हसाबिस को दिया गया है। यह पुरस्कार दो हिस्सों में बाँटा गया है:



- ✓ डेविड बेकर को 1/2 हिस्सा (कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन के लिए)
- ✓ जॉन जम्पर और डेमिस हसाबिस को 1/4 + 1/4 हिस्सा (प्रोटीन संरचना भविष्यवाणी के लिए)

डेविड बेकर:

- ✓ **प्रोटीन डिजाइन में योगदान:** डेविड बेकर ने प्रोटीन डिजाइन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम किया है। इस तकनीक का उपयोग प्रोटीन की संरचना में बदलाव कर नए गुण वाले प्रोटीन बनाने में किया जाता है।
- ✓ **दवाओं और वैक्सीन्स का विकास:**
 - ✦ नए प्रकार के प्रोटीन दवाइयों और वैक्सीन्स के विकास में सहायक होते हैं।
 - ✦ 2003 में, बेकर ने अमीनो एसिड का उपयोग करके एक नया प्रोटीन बनाया, जिसका उपयोग कई वैक्सीन्स और दवाइयों में किया जा रहा है।

डेमिस हसाबिस और जॉन जम्पर:

- ✦ **अल्फाफोल्ड 2 का विकास:** डेमिस हसाबिस और जॉन जम्पर ने एक AI मॉडल "अल्फाफोल्ड 2" विकसित किया, जिसने प्रोटीन संरचना को समझने में क्रांति ला दी।
- ✦ **सटीक 3D संरचना की भविष्यवाणी:** यह AI मॉडल प्रोटीन के अमीनो एसिड के आधार पर उनके जटिल 3D संरचना को सटीक रूप से समझने में सक्षम है।
- ✦ **वैज्ञानिक अनुप्रयोग:**
 - ✦ इससे वैज्ञानिकों को एंटीबायोटिक्स और प्लास्टिक तोड़ने वाले एंजाइम विकसित करने में मदद मिली है।
 - ✦ इस मॉडल का उपयोग आज 190 देशों के 20 लाख से अधिक लोग कर रहे हैं।

प्रोटीन की संरचना और कार्य:

- ✦ **मानव शरीर में प्रोटीन का महत्व:** प्रोटीन एक केमिकल टूल की तरह काम करता है और शरीर में होने वाले सभी केमिकल रिएक्शंस को नियंत्रित करता है।
- ✦ **संरचना:** प्रोटीन लगभग 20 अलग-अलग अमीनो एसिड से मिलकर बना होता है, जो लंबे तारों की तरह जुड़े होते हैं और एक जटिल 3D संरचना बनाते हैं।

एकीकृत जीनोमिक चिप Integrated Genomic Chip

भारत के प्रधानमंत्री ने हाल ही में पशुधन के लाभ के लिए पशुपालन विभाग के दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का शुभारंभ किया है: 'स्वदेशी सेक्स सॉर्टेड सीमेन' और 'यूनिफाइड जीनोमिक चिप'। ये कार्यक्रम किसानों के लिए बेहतर पशुपालन और डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित किए गए हैं।

एकीकृत जीनोमिक चिप:

- ✓ **उद्देश्य:** इस चिप का मुख्य उद्देश्य किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले मवेशियों की शीघ्र पहचान करने में मदद करना है, जिससे भारत में डेयरी फार्मिंग की दक्षता में वृद्धि हो सके।
- ✓ **प्रकार:** यह चिप दो संस्करणों में उपलब्ध है:
 - ✳️ **'गो चिप':** मवेशियों के लिए।
 - ✳️ **'महिष चिप':** भैंसों के लिए।
- ✓ **विकास:** इसे पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन मंत्रालय के अंतर्गत पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) द्वारा विकसित किया गया है।
- ✓ **लाभ:** यह चिप विशेष रूप से भारतीय मवेशियों की नस्लों के लिए तैयार की गई है, जिससे मवेशियों की गुणवत्ता में सुधार और डेयरी फार्मिंग क्षेत्र का विकास संभव होगा। यह किसानों को कम उम्र में उच्च गुणवत्ता वाले बैलों की पहचान करने में मदद करती है, जिससे पशु चयन पर सूचित निर्णय लेना संभव हो सके।



सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक:

- ✳️ **परिभाषा:** सेक्स सॉर्टेड सीमेन 'लिंग चयनित' वीर्य है, जिसे मवेशियों और भैंसों के कृत्रिम गर्भाधान (AI) में उपयोग किया जाता है। यह तकनीक 90% से अधिक चयनित लिंग (मादा) उत्पन्न करने में सक्षम है।
- ✳️ **महत्व:** यह नस्ल सुधार में अत्यंत प्रभावी साबित हुई है और पहले इसका निर्माण मुख्य रूप से बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किया जाता था।
- ✳️ **स्वदेशी तकनीक:** पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ने 250 रुपये की लागत में लिंग-सॉर्टेड वीर्य की स्वदेशी तकनीक विकसित की है।
- ✳️ **प्रयुक्त तकनीक:** इसके लिए आईवीएफ तकनीक (जिसे सामान्यतः टेस्ट ट्यूब बेबी तकनीक के रूप में जाना जाता है) का उपयोग किया जा रहा है।
- ✳️ **डीएचडी का लक्ष्य:** DAHD ने वर्तमान में चल रहे कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम 10 लाख लिंगीकृत वीर्य खुराक का उत्पादन करने की योजना बनाई है।

भारतीय जंगली गधा Indian wild ass

इस वर्ष के प्रारंभ में, गुजरात सरकार ने 10वें जंगली गधा जनसंख्या अनुमान (WAPE) के अनुसार, राज्य में जंगली गधों की अनुमानित जनसंख्या 7,672 घोषित की है।

भारतीय जंगली गधा (Equus hemionus khur) के बारे में जानकारी:

- ✓ **उप-प्रजाति:** यह एशियाई जंगली गधे की एक उप-प्रजाति है और गुजरात क्षेत्र में इसे स्थानीय रूप से "खुर" कहा जाता है।
- ✓ **विशेषताएँ:**
 - ✳️ गुजरात के जंगली गधा अभयारण्य में इनकी चरम स्थितियों में जीवित रहने की क्षमता अद्वितीय है।
 - ✳️ इनका प्राथमिक भोजन स्रोत रेगिस्तान के द्वीपों पर उगने वाली घास है।
 - ✳️ इसकी विशिष्टता यह है कि इसके दुम के अगले भाग और कंधे के पिछले भाग पर सफेद निशान होते हैं, और पीठ पर नीचे की ओर एक पट्टी होती है, जिसके किनारे पर सफेद रंग होता है।
- ✓ **वितरण:** खुर पहले उत्तर-पश्चिमी भारत और पाकिस्तान के शुष्क क्षेत्र में और पश्चिम की ओर मध्य एशिया के अधिकांश भाग में फैला हुआ था। अब यह गुजरात के कच्छ के छोटे रण तक सीमित है।
- ✓ **आवास:** यह प्रजाति रेगिस्तान और घास के मैदान पारिस्थितिकी तंत्र में पाई जाती है।



संरक्षण की स्थिति:

- ✳️ **आईयूसीएन: निकट संकटग्रस्त (Near Threatened)।**
- ✳️ **सीआईटीईएस: परिशिष्ट III।**
- ✳️ **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (1972): अनुसूची-I में शामिल।**

पारिस्थितिक महत्व:

- ✳️ जंगली गधा क्षेत्र में बीज फैलाव में सहायक होता है, जो वनस्पति विकास और विविधता को बढ़ावा देने में मदद करता है।
- ✳️ यह अन्य प्रजातियों के लिए आवास निर्माण में सहायक होता है, क्योंकि यह घासों को खाकर रास्ते साफ करता है।

खतरे:

- ✳️ **मानवीय गतिविधियाँ:** नमक की खेती और कृषि के लिए बढ़ती मानवीय उपस्थिति, साथ ही बड़े पैमाने पर मवेशी चराई, नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र और इसके वन्य जीवन के लिए खतरा बन गई है।
- ✳️ **सिंचाई नहरें:** लिटिल रण के दक्षिणी किनारे तक पानी लाने वाली सिंचाई नहरें मिट्टी में लवणता बढ़ा सकती हैं, जो इस प्रजाति और इसके आवास को प्रभावित कर सकती हैं।

विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा (WTSA), 2024

World Telecommunication Standardization Assembly (WTSA), 2024

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) की विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा (WTSA) 14 से 24 अक्टूबर, 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी।

विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा (WTSA) के बारे में:

- ✓ **आयोजन की आवृत्ति:** WTSA 2002 से हर चार साल में आयोजित किया जाता है।
- ✓ **कार्यक्रम का महत्व:** यह आईटीयू के मानकीकरण क्षेत्र (ITU-T) के शासी सम्मेलन के रूप में कार्य करता है और आईटीयू द्वारा आयोजित तीन विश्व सम्मेलनों में से एक है।
- ✓ **उद्देश्य:** यह आईटीयू के दूरसंचार मानकीकरण क्षेत्र के कार्य कार्यक्रम, कार्य पद्धति और अध्ययन समूहों की संरचना को परिभाषित करता है।
- ✓ **भूमिका:** WTSA वैश्विक दूरसंचार मानकों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे भारत द्वारा इस सम्मेलन की मेजबानी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन जाती है।

वैश्विक मानक संगोष्ठी (GSS):

- ⇒ **तिथि:** WTSA 2024 से पहले 14 अक्टूबर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में वैश्विक मानक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।
- ⇒ **उद्देश्य:** GSS आईसीटी मानकीकरण पर नीतिगत बहस के लिए एक उच्च स्तरीय मंच है, जो इसके उभरते गतिशीलता और तकनीकी निहितार्थों पर विचार करता है।

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) के बारे में मुख्य तथ्य:

- ✓ **संस्थापक:** इसकी स्थापना 1865 में अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ यूनियन के रूप में हुई थी।
- ✓ **संयुक्त राष्ट्र का विशेष एजेंसी:** 1947 में आईटीयू संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी बन गई।
- ✓ **कार्य:** यह एक अंतर-सरकारी संगठन है जो वैश्विक दूरसंचार और सूचना संचार प्रौद्योगिकी (ICT) सेवाओं के संबंध में सरकारों और निजी क्षेत्र के निकायों के बीच समन्वय करता है।
- ✓ **सदस्यता:** इसके 193 सदस्य देश और 1000 से अधिक कंपनियां, विश्वविद्यालय और अंतर्राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संगठन हैं।
- ✓ **मुख्यालय:** जिनेवा, स्विट्जरलैंड।



आईटीयू के कार्य:

- ⇒ वैश्विक रेडियो स्पेक्ट्रम और उपग्रह कक्षाओं का आवंटन।
- ⇒ दूरसंचार/आईसीटी से संबंधित तकनीकी मानकों का समन्वय और निर्धारण।
- ⇒ दुनिया भर में वंचित समुदायों में ICT तक पहुंच में सुधार करने के लिए कार्य करना।

भारत और आईटीयू: भारत 1869 से आईटीयू का सक्रिय सदस्य रहा है और 1952 से आईटीयू परिषद का नियमित सदस्य है।

पोषण पर कोडेक्स समिति (CCNFSDU) 44वाँ सत्र

Codex Committee on Nutrition (CCNFSDU) 44th

हाल ही में, भारत ने जर्मनी में कोडेक्स समिति (CCNFSDU) के 44 वें सत्र में भाग लिया, जहां उसने वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण मानकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।



कोडेक्स एलीमेंटेरियस कमीशन (CAC) की भूमिका:

- ✓ **स्थापना:** खाद्य और कृषि संगठन (FAO) और विश्व व्यापार संगठन (WTO) द्वारा 1963 में स्थापित, CAC एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसका उद्देश्य उपभोक्ता स्वास्थ्य की रक्षा और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को सुनिश्चित करना है।
- ✓ **कोडेक्स सदस्यों:** CAC के 189 सदस्य हैं, जिसमें भारत भी शामिल है।
- ✓ **CCNFSDU का उद्देश्य:** CCNFSDU, CAC की एक इकाई है, जो इन्फेंट (शिशु) फार्मूले, आहार अनुपूरक और चिकित्सा खाद्य पदार्थों जैसे विशेष आहार खाद्य पदार्थों के लिए वैश्विक मानकों को विकसित करने के लिए जिम्मेदार है।

भारत के प्रमुख योगदान:

- ✓ **प्रोबायोटिक्स पर अद्यतन:** भारत ने इस बात पर जोर दिया कि FAO/WHO के 2001 और 2002 के दस्तावेज दो दशक पुराने हैं और वैज्ञानिक प्रगति के संदर्भ में इनका संशोधन आवश्यक है।
- ✓ **सामंजसपूर्ण विनियमन का आह्वान:** भारत ने वैश्विक व्यापार को बढ़ाने के लिए सामंजसपूर्ण विनियमन को आवश्यक बताया।
- ✓ **Nutrient Reference Value-Requirement (NRV-R):**
 - ⇒ भारत ने सुझाव दिया कि 6-36 महीने के व्यक्तियों के लिए संयुक्त एनआरवी-आर मूल्य, दो आयु समूहों (6-12 महीने और 12-36 महीने) के औसत मूल्य की गणना करके निर्धारित किया जाना चाहिए।
 - ⇒ इस पर समिति ने विचार किया और सहमति व्यक्त की।
- ✓ **NRV-R का महत्व:** NRV-R, वर्तमान वैज्ञानिक आँकड़ों के आधार पर पोषण सेवन के लिए सिफारिशें हैं, जो विशेष लक्ष्य समूहों या आबादी के लिए स्थापित की जाती हैं।

निष्कर्ष: भारत की इस समिति में भागीदारी से न केवल वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण मानकों में सुधार होगा, बल्कि यह खाद्य पदार्थों के विशेष उपयोग को भी बढ़ावा देगा। इस प्रकार की गतिविधियाँ भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा मानकों को स्थापित करने में मदद करेंगी।

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)



Only at

99/- Year

Enroll Now!





APNI PATHSHALA

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP TEST SERIES

UPPSC

(TEST SERIES)

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

RO/ARO

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

BPSC

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299
YEAR

SSC

(TEST SERIES)

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR

RPF

(TEST SERIES)

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR



Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

2024 GA FOUNDATION RECORDED BATCH



Subject

HISTORY ,POLITY

GEOGRAPHY

ECONOMICS

Price

1499/-

**Validity
1 Year**

By Ankit Avasthi Sir



GA FOUNDATION

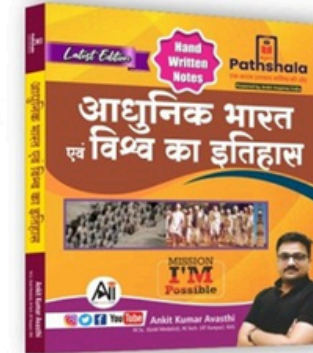
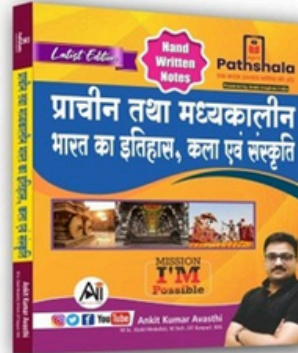
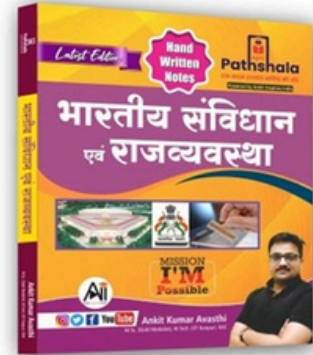
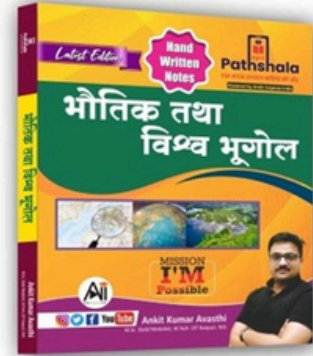
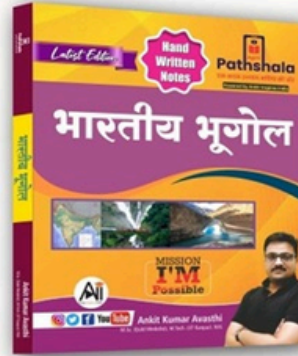
Hand Written
Notes


Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर


Ani
Ankit Inspires India

₹ **Only**
1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट



अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

 **7878158882**

RRB NTPC

TEST SERIES

- ✓ 100+ Mock Test
- ✓ 78 Sectional Test
- ✓ 40+ years PYPs
- ✓ 60+ Current affairs

TEST



Only

99 *Per Year*

Buy Now

